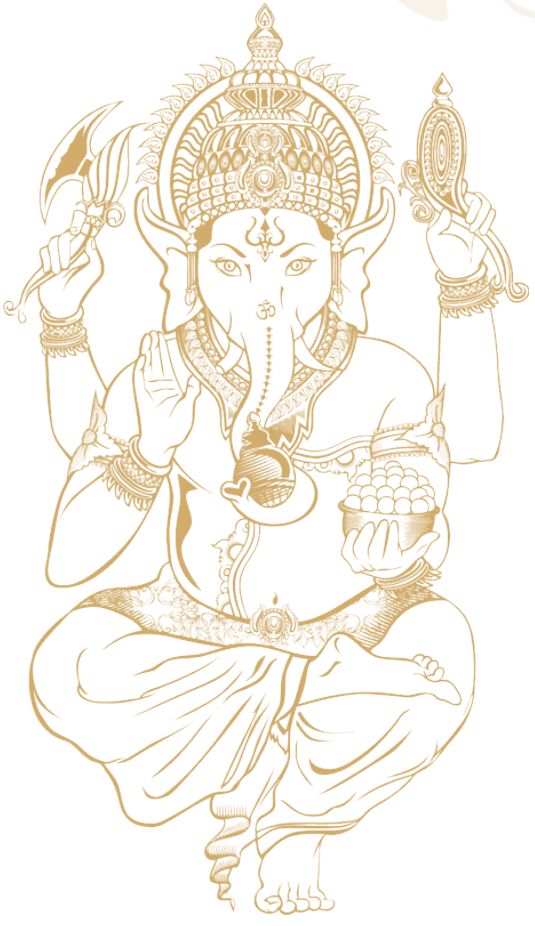

DRisti Roy

26 Nov 2017

04:30 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121220302

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**25-26/11/2017**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**04:30:00 घंटे**
इष्ट	54:04:57 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:08:52 घंटे
वेलान्तर	00:13:02 घंटे
साम्पातिक काल	08:29:10 घंटे
सूर्योदय	06:52:01 घंटे
सूर्यास्त	17:24:18 घंटे
दिनमान	10:32:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	09:46:09 वृश्चिक
लग्न के अंश	08:29:52 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	व्याघात
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गुंजन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	08:29:52	311:16:28	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	09:46:09	01:00:42	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	01:15:52	12:12:43	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			कन्या	27:27:39	00:37:46	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
बुध			धनु	01:30:58	00:53:07	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु			तुला	15:55:11	00:12:32	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	29:04:34	01:15:24	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	स्वराशि
शनि			धनु	03:05:23	00:06:42	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
राहु			कर्क	23:51:58	00:00:17	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	शत्रु राशि
केतु			मक	23:51:58	00:00:17	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	01:02:49	00:01:45	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	---
नेप			कुंभ	17:21:55	00:00:07	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	23:33:45	00:01:35	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			कर्क	10:50:11	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:13

लग्न-चलित

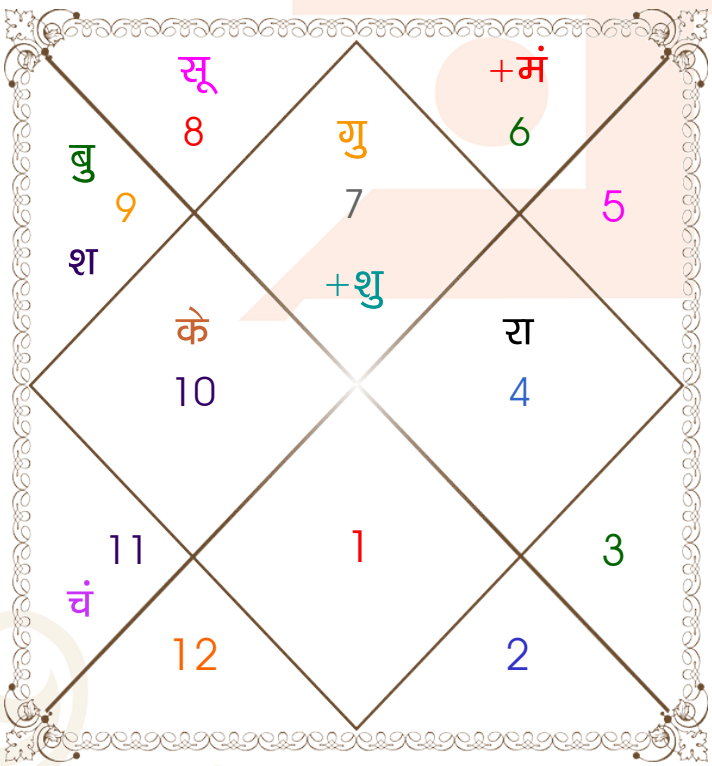

चन्द्र कुंडली

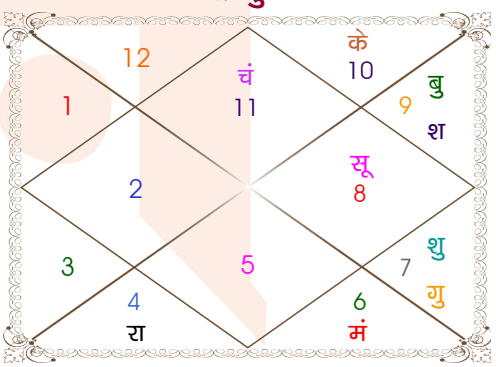

नवमांश कुंडली

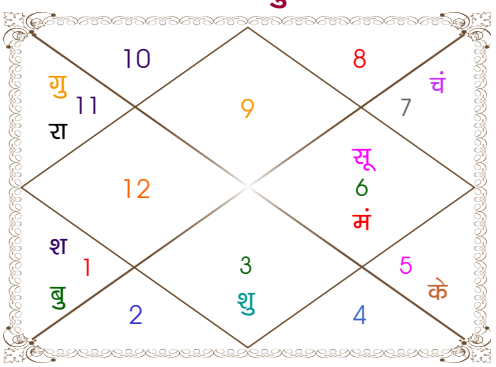

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 10 मास 1 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
26/11/2017		27/09/2020		27/09/2038		27/09/2054		27/09/2073	
27/09/2020		27/09/2038		27/09/2054		27/09/2073		27/09/2090	
	00/00/0000	राहु	10/06/2023	गुरु	14/11/2040	शनि	30/09/2057	बुध	23/02/2076
	00/00/0000	गुरु	02/11/2025	शनि	29/05/2043	बुध	09/06/2060	केतु	20/02/2077
	00/00/0000	शनि	08/09/2028	बुध	02/09/2045	केतु	19/07/2061	शुक्र	22/12/2079
	26/11/2017	बुध	29/03/2031	केतु	09/08/2046	शुक्र	17/09/2064	सूर्य	27/10/2080
बुध	25/03/2018	केतु	15/04/2032	शुक्र	09/04/2049	सूर्य	30/08/2065	चंद्र	28/03/2082
केतु	22/08/2018	शुक्र	16/04/2035	सूर्य	27/01/2050	चंद्र	01/04/2067	मंगल	26/03/2083
शुक्र	22/10/2019	सूर्य	10/03/2036	चंद्र	29/05/2051	मंगल	10/05/2068	राहु	12/10/2085
सूर्य	27/02/2020	चंद्र	09/09/2037	मंगल	03/05/2052	राहु	17/03/2071	गुरु	18/01/2088
चंद्र	27/09/2020	मंगल	27/09/2038	राहु	27/09/2054	गुरु	27/09/2073	शनि	27/09/2090

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
27/09/2090		27/09/2097		28/09/2117		28/09/2123		28/09/2133	
27/09/2097		28/09/2117		28/09/2123		28/09/2133		00/00/0000	
केतु	23/02/2091	शुक्र	27/01/2101	सूर्य	15/01/2118	चंद्र	29/07/2124	मंगल	24/02/2134
शुक्र	24/04/2092	सूर्य	28/01/2102	चंद्र	17/07/2118	मंगल	27/02/2125	राहु	15/03/2135
सूर्य	30/08/2092	चंद्र	28/09/2103	मंगल	22/11/2118	राहु	29/08/2126	गुरु	18/02/2136
चंद्र	31/03/2093	मंगल	27/11/2104	राहु	17/10/2119	गुरु	29/12/2127	शनि	29/03/2137
मंगल	27/08/2093	राहु	28/11/2107	गुरु	04/08/2120	शनि	29/07/2129	बुध	27/11/2137
राहु	15/09/2094	गुरु	29/07/2110	शनि	17/07/2121	बुध	28/12/2130		00/00/0000
गुरु	22/08/2095	शनि	28/09/2113	बुध	23/05/2122	केतु	29/07/2131		00/00/0000
शनि	30/09/2096	बुध	29/07/2116	केतु	28/09/2122	शुक्र	29/03/2133		00/00/0000
बुध	27/09/2097	केतु	28/09/2117	शुक्र	28/09/2123	सूर्य	28/09/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 9 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ धनु राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपका यह जन्मकालिक प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि सामान्यतया आपका जन्म प्रभाव का प्रवेश काल अति उत्तम फलदायी मुख्यतः आपकी आयु के 30 वें वर्ष से 35 वर्ष के समय में प्रमाणित होगा।

बल्कि आप मृदु स्वभाव की उत्तम प्राणी हैं। आपमें ऐसी क्षमता विद्यमान है कि आप अपने धैर्य को नियंत्रित रखती हैं। आपका वास्तविक मूल्यांकन अन्य व्यक्ति करते हैं। आप किसी भी वस्तु का सही महत्त्व एवं मूल्यांकन कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय में सफल हो सकती हैं। इसलिए यदि आपकी अभिलाषा हो, तो आप पुजारी होकर, उच्च स्तरीय धार्मिक उपदेशक बनकर उच्च कोटि की श्रद्धावान हो सकती हैं। आप सदैव धार्मिक और परोपकारी संस्थाओं को दान-प्रदान करने के लिए उत्सुक रहेंगी। आपके लिए व्यवसायों में उत्तम व्यवसाय ऑटो मोबाइल्स, ट्रांसपोर्ट का कार्य, पर्यटन अथवा फैन्सी वस्तुओं का धन्धा अच्छा होगा।

यदि आप अपने अनुकूल सेवा (नौकरी) कार्य करना चाहती हैं तो आप वैज्ञानिक अथवा न्यायधीश की सेवा कार्य प्रारंभ कर सकती हैं। आप निश्चय पूर्वक धनी होंगी। धन का सदुपयोग अपने परिवार के सहायता हेतु एवं मित्रों की सहायता हेतु करेंगी। आप जन सामान्य में यह प्रदर्शन नहीं करेंगी कि आप सामान्य विपरीत योनि के प्रति वासनात्मक प्रवृति रखती हैं। परंतु आप अपने पति के साथ गहन प्रेम संबंध बनाए रखेंगी। आप हर परिस्थिति में संभव मांग अर्थात् अपने पति एवं बच्चों की अभिलाषा पूरी करेंगी।

आपका पूर्ण सामंजस्य मिथुन राशि अथवा कुंभ राशि लग्न में उत्पन्न जातक के साथ हो सकता है। यदि आप अपनी पसंद के अनुरूप मकर राशि कर्क अथवा मीन राशीय जलीय तत्व के प्राणी के साथ मैत्री करना चाहें तो आप इनके साथ मित्रता करके अधिक प्रसन्न रह सकेंगी। आपका एक सामंजस्य पूर्ण परिवार होगा जिसमें सीमित संख्या में आपकी संताने होंगी जो आपके द्वारा अपने पैरों पर खड़े होंगे तथा आपकी वृद्धावस्था के लिए सहायक सिद्ध होंगे। आप संतान के संबंध में एक भाग्यशाली महिला होंगी जो अपने नाम और अपनी प्रसिद्धि कर आपको आनंदित करेंगे।

आप स्वास्थ्य और शारीरिक दृष्टि से उत्तम, सुंदर, मनोहर एवं प्रतिभा संपन्न होंगी। आपकी ओठ सदैव ही मुस्कुराहट से युक्त तथा चेहरा हंसमुख प्रतीत होगा। स्वास्थ्य तो बहुत उत्तम रहेगा परंतु कालांतर में मूत्र संबंधी परेशानी तथा मेरुदंडनीय अव्यवस्था उत्पन्न न हो जाए अस्तु आप को सावधानी बरतनी होंगी।

आप अति महत्वकांक्षी प्राणी हैं। आप अपने उदेश्य तक पहुंचने के लिए कठिन श्रम का संपादन करेंगी। आप अपने अच्छे शिष्टाचार एवं सुंदर व्यवहार प्रेमालिंगन के कारण शक्ति संपन्न एवं उच्चकोटि की प्राणी होंगी।

इस प्रकार का बदलाव आपके लिए लाभदायक तथा धन-संपति से युक्त संपन्नता व्यक्त करायेगा। आपक सौम्य स्वभाव दूसरों को एक संयमित धन प्रदान करायेगा। आपको यथा संभव बेईमान एवं चरित्रहीन तत्व के प्रति सतर्क रहना चाहिए जो तत्व आपको मूर्ख समझते हैं। आप इस प्रकार के परिष्कार करने वाली आदतों का त्याग करें जो कि नकारात्मक प्रवृति को उत्पन्न करती है। इस प्रकार के अनगिणत प्राणी आपसे अर्थिक सहयोग लेकर आपकी आर्थिक स्थिति को पंगु बना देंगे।

आपका परिवारिक एक अंग जो विदेशी अच्छे मित्र हैं। उनके द्वारा आपको महान उपलब्धि प्राप्त होगी। आपके लिए इन मित्रों के बिना आपका समय व्यतीत करना एक दुष्कर कार्य होगा। आप उनके लिए विश्वासी, शक्ति संपन्न एवं सम्मानित दृष्टिगत होंगी। आप वास्तव में मित्रों की मित्र हैं। आप उनकी सहायता हेतु किसी भी प्रकार का सीमोलंघन करेंगी।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 5 और 7 अंक अति उत्तम फलदायी है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में उत्तम रंग नारंगी, लाल एवं सफेद रंग हैं। परंतु रंग पीला एवं हरे रंगों का त्याग करेंगे।